



Series SRQP2/2

SET-3

प्रश्न-पत्र कोड

2/2/3

रोल नं.

--	--	--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।



हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)



निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **14** है । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
- इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं — खण्ड अ और ब ।
- खण्ड अ में 40 बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
- खण्ड ब में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।
- यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।



खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

40 अंक

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

10×1=10

भारतीय शास्त्रीय संगीत की यह एक विलक्षणता है कि एक राग जितनी बार प्रस्तुत होता है – उतनी बार नयापन उभरता है, इसका आकर्षण कभी समाप्त नहीं होता। इसकी समकालीन गुणवत्ता वर्षों के फ़ासले में नहीं बदलती, यह समय के छोटे-छोटे हिस्से में भी घटित होती है। इसके बावजूद इसमें ऐसा भी तत्त्व है, जो कभी नहीं बदलता। वह समय की गति को लाँघ जाता है, शाश्वतता और समकालीनता की यही संधि भारतीय कला विधाओं की निजी पहचान है। भारतीय शास्त्रीय संगीत का आधार तत्त्व लोकगीतों में निहित है। लोकगीतों की धुनों को शास्त्रीय संस्कार देकर अनेक राग बनाए गए हैं। भटियारी, पूरबी, जौनपुरी, सोरठा और मुलतानी जैसे अनेक राग बंगाल, बिहार, पंजाब और सौराष्ट्र के अंचलों में गाए जाने वाले लोकगीतों की धुनों से निर्मित हुए हैं। इतना ही नहीं, प्रकृति में व्याप्त स्वरों से भी रागों की निर्मितियाँ हुई हैं। कई समर्थ गायकों ने आंचलिक गीतों को शास्त्रीय पद्धति में ढालकर विशिष्ट गायकी द्वारा ख्याति अर्जित की है। लोकगीतों का सीधा संबंध प्रकृति से है। प्रकृति में अपना छंद है, लय है। स्वरों की संस्कार प्रक्रिया तब तक पूरी नहीं होती जब तक प्रकृति के छंदों की अनुभूति से मिली समाहारकारी दृष्टि से राग की प्रकृति और उसे जन्म देने वाली प्रकृति के बीच का अंतर्संबंध तय नहीं कर लिया जाता। संगीत में जिस बिंदु पर लय और ताल एक दूसरे से मिलते हैं उसे सम कहते हैं। लय है प्रकृति की विभिन्नता – सामयिकता और ताल है एकत्व-शाश्वतता। इन दोनों के मिलन से संस्कृति बनती है। संस्कृति न तो प्रकृति की यथास्थिति की स्वीकृति है, न विद्रोह। यह विभिन्नता में संस्कार द्वारा याचित एकत्व का नाम है। “प्राकृतिक शक्तियों का मनमाना संयोजन संस्कृति है।”

(i) भारतीय शास्त्रीय संगीत की विलक्षणता क्या है ?

- (A) विशिष्ट गायकी
- (B) हर प्रस्तुति में नवीनता
- (C) धुनों को शास्त्रीय संस्कार देना
- (D) सुरीला गान



(ii) संदर्भ के अनुसार गद्यांश में 'विशिष्टताओं की वृद्धि' अर्थ को व्यक्त करने वाला शब्द है :

- (A) गुणोत्कर्ष (B) चरमोत्कर्ष
(C) निष्कर्ष (D) हर्षोत्कर्ष

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

कथन I : लोकगीत और शास्त्रीय संगीत एक दूसरे के पर्याय हैं ।

कथन II : शास्त्रीय संगीत में गीत और आघात का अधिक महत्त्व है ।

कथन III : भारतीय शास्त्रीय संगीत का आधार लोकगीत है ।

कथन IV : शास्त्रीय संगीत में राग की शुद्धता का महत्त्व गौण है ।

गद्यांश के अनुसार उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

- (A) केवल कथन I सही है । (B) केवल कथन II सही है ।
(C) केवल कथन III सही है । (D) केवल कथन IV सही है ।

(iv) गद्यांश के अनुसार रागों की रचना किस प्रकार होती है ?

- (A) लोकगीतों और प्रकृति में व्याप्त स्वरों के समन्वय द्वारा
(B) सुर, लय, ताल की समझ और समन्वय द्वारा
(C) प्राकृतिक गीतों की छंदबद्ध गायकी द्वारा
(D) विभिन्न घरानों की राग-रागिनियों के समन्वय द्वारा

(v) गद्यांश के अनुसार 'सम' क्या है ?

- (A) तबले की थाप पर ताल का बजना
(B) गीत और संगीत का सुरीला गायन
(C) सुर, ताल और लय का सुंदर समन्वय
(D) संगीत में जिस बिंदु पर लय और ताल परस्पर मिलते हों



- (vi) गद्यांश के अनुसार समर्थ गायकों ने प्रसिद्धि प्राप्त की :
- (A) पाश्चात्य संगीत को शास्त्रीय पद्धति में ढालकर
 - (B) आंचलिक गीतों को शास्त्रीय पद्धति में ढालकर
 - (C) विभिन्न राग-रागिनियों को आंचलिकता में ढालकर
 - (D) आंचलिक गीतों को प्राकृतिक छंदों में ढालकर
- (vii) संस्कृति बनती है :
- (A) प्रकृति की विभिन्नता, सामयिकता और शाश्वतता के मिलने से
 - (B) लय और ताल, गीत और संगीत के मिलन से
 - (C) लोकगीतों को शास्त्रीय संस्कार देकर
 - (D) स्वरों की सतत साधना से
- (viii) प्रकृति की विभिन्नता और समकालीनता का नाम है :
- (A) लय
 - (B) ताल
 - (C) राग
 - (D) सम
- (ix) यह गद्यांश दर्शाता है :
- (A) सृष्टि के कण-कण में संगीत बसा है ।
 - (B) लोकगीत और प्रकृति शास्त्रीय संगीत के आधार हैं ।
 - (C) लोकगीतों के बिना शास्त्रीय संगीत निराधार है ।
 - (D) स्वरों की संस्कार-प्रक्रिया लोकगीतों में पूरी होती है ।
- (x) भारतीय कला-विधाओं की निजी पहचान है :
- (A) समय के अंतराल की अनभिज्ञता
 - (B) चिरस्थिरता एवं समसामयिकता का समन्वय
 - (C) आकर्षण एवं मनोरंजन से पूर्ण
 - (D) वर्तमान और भविष्य का आधार



2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

5×1=5

ग्राम, नगर या कुछ लोगों का नाम नहीं होता है देश
संसद, सड़कों, आयोगों का नाम नहीं होता है देश
देश नहीं होता है केवल सीमाओं से घिरा मकान
देश नहीं होता है कोई सजी हुई ऊँची दुकान
देश नहीं क्लब, जिसमें बैठ करते रहें सदा हम मौज
देश नहीं केवल बंदूकें, देश नहीं होता है फ़ौज
जहाँ प्रेम के दीपक जलते, वहीं हुआ करता है देश
जहाँ इरादे नहीं बदलते, वहीं हुआ करता है देश
सज्जन सीना ताने चलते, वहीं हुआ करता है देश
हर दिल में अरमान मचलते, वहीं हुआ करता है देश
वही होता जो सचमुच आगे बढ़ता क़दम-क़दम
धर्म, जाति, भाषाएँ जिसका ऊँचा रखती हैं परचम
पहले हम खुद को पहचानें, फिर पहचानें अपना देश
एक दमकता सत्य बनेगा, नहीं रहेगा सपना देश

- (i) कवि के अनुसार देश नाम है :

- (A) ग्राम, नगर या कुछेक लोगों का
(B) सीमाओं और सरहदों से घिरे भूखंड का
(C) परस्पर सौहार्द, अटल संकल्प, सहृदयता एवं उत्तरोत्तर उन्नति का
(D) फ़ौज एवं शस्त्रों के ज़ख़ीरों का

- (ii) स्तंभ-I में दिए गए पदों को स्तंभ-II में दिए गए प्रतीकार्थों से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

	स्तंभ-I		स्तंभ-II
1.	संसद	(i)	आवागमन की सुविधा के लिए बना समतल मार्ग
2.	सड़क	(ii)	सर्वोच्च विधायी निकाय
3.	आयोगों	(iii)	विशेष कार्य के निमित्त सरकार द्वारा गठित संगठन

विकल्प :

- (A) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii) (B) 1-(iii), 2-(ii), 3-(i)
(C) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii) (D) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)



- (iii) देश का मस्तक ऊँचा रखने में किस-किस का महत्वपूर्ण योगदान है ?
 (A) सुसज्जित ऊँची दुकानों का
 (B) दीवारों से घिरे विशाल मकानों का
 (C) दिवास्वप्नों का
 (D) विविध धर्म, जाति एवं भाषा के एकत्व का
- (iv) 'पहले हम खुद को पहचानें, फिर पहचानें अपना देश' पंक्ति का क्या तात्पर्य है ?
 (A) निज दुर्बलताओं को पहचान कर सबलताओं में बदलना
 (B) अपनी उन्नति के विषय में सोचना
 (C) निज लाभ के लिए प्रयत्नशील रहना
 (D) अपने परिवार के हित के लिए प्रयासरत रहना
- (v) देश केवल सपना मात्र न रहकर दमकता सत्य कैसे बनेगा ? इस प्रश्न के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :
 कथन I : लोगों के विचारों में रहकर
 कथन II : विद्यार्थियों की पुस्तकों में रहकर
 कथन III : युवाओं के कथनों में रहकर
 कथन IV : नागरिकों के सदाचरण एवं सद्गुणों में रहकर
 पद्यांश के अनुसार उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?
 (A) केवल कथन II सही है । (B) केवल कथन IV सही है ।
 (C) केवल कथन I सही है । (D) केवल कथन III सही है ।

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5×1=5

- (i) 'छापेखाने' का आविष्कार किस युग में हुआ ?
 (A) प्राचीन युग में (B) आधुनिक युग में
 (C) मध्य युग में (D) आदि युग में
- (ii) निम्नलिखित में कौन-सा माध्यम ध्वनि, स्वर और शब्दों का खेल है ?
 (A) रेडियो (B) टेलीविज़न
 (C) इंटरनेट (D) समाचार-पत्र



- (iii) आलोक एक पत्रकार हैं । वे किसी खास अखबार से संबंध नहीं रखते अपितु भुगतान के आधार पर अलग-अलग अखबारों के लिए लिखते हैं । उनको किस तरह का पत्रकार कहा जा सकता है ?
- (A) पूर्णकालिक पत्रकार
 (B) अंशकालिक पत्रकार
 (C) फ्रीलांसर (स्वतंत्र-पत्रकार)
 (D) विशेष संवाददाता पत्रकार
- (iv) निम्नलिखित में फ़ीचर का एक प्रकार **नहीं** है :
- (A) खोजपरक फ़ीचर
 (B) साक्षात्कार फ़ीचर
 (C) रूपात्मक फ़ीचर
 (D) काव्यात्मक फ़ीचर
- (v) सामान्य लेखन से हटकर किसी खास विषय पर किया गया लेखन क्या कहलाता है ?
- (A) संपादकीय
 (B) विशेष लेखन
 (C) कथा लेखन
 (D) विचारपरक लेखन

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

5×1=5

हमें दोनों एक संग रुलाने हैं,
 आप और वह दोनों
 (कैमरा
 बस करो
 नहीं हुआ
 रहने दो
 परदे पर वक्त की कीमत है)
 अब मुस्कराएँगे हम
 आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम
 (बस थोड़ी ही कसर रह गई)
 धन्यवाद ।



- (i) काव्यांश में 'आप' और 'वह' प्रयुक्त हुआ है :
- (A) दर्शक और संवाददाता के लिए
 - (B) मीडियाकर्मी और कैमरामैन के लिए
 - (C) दर्शक और विकलांग व्यक्ति के लिए
 - (D) विकलांग व्यक्ति और संवाददाता के लिए
- (ii) निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए पद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए :
- (A) मीडिया विकलांग व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील है ।
 - (B) समाज विकलांग व्यक्तियों के प्रति जागरूक है ।
 - (C) शारीरिक चुनौती झेलते व्यक्ति के साक्षात्कार द्वारा मीडिया का उद्देश्य समाज-सेवा है ।
 - (D) मीडिया स्वार्थी एवं संवेदनहीन है, उसका सामाजिक सरोकार मात्र दिखावा है ।
- (iii) काव्यांश में कोष्ठक में लिखे शब्द संकेत करते हैं :
- (A) परदे के पीछे की वास्तविकता
 - (B) मीडिया का बुरा बर्ताव
 - (C) साक्षात्कार के प्रश्न
 - (D) विकलांग व्यक्ति की मानसिकता
- (iv) उपर्युक्त काव्यांश की पंक्ति – 'अब मुस्कुराएँगे हम' दिखाती है, मीडियाकर्मियों की :
- (A) संवेदनशीलता को
 - (B) संवेदनहीनता को
 - (C) परदुख कातरता को
 - (D) प्रफुल्लता को



- (v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम में मीडिया का उद्देश्य पूर्ण न हो सका ।

कारण : विकलांग व्यक्ति द्वारा उनके निर्देशानुसार व्यवहार न करने से लोगों की सहानुभूति बटोरने का अवसर उनके हाथ से निकल गया ।

विकल्प :

- (A) कथन सही है, कारण गलत है ।
 (B) कथन सही नहीं है, कारण सही है ।
 (C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।
 (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5×1=5

शिरीष के फूलों की कोमलता देखकर परवर्ती कवियों ने समझा कि उसका सब-कुछ कोमल है ! यह भूल है । इसके फल इतने मज़बूत होते हैं कि नए फूलों के निकल आने पर भी स्थान नहीं छोड़ते । जब तक नए फल-पत्ते मिलकर, धकियाकर उन्हें बाहर नहीं कर देते तब तक वे डटे रहते हैं । वसंत के आगमन के समय जब सारी वनस्थली पुष्प-पत्र से मर्मरित होती रहती है, शिरीष के पुराने फल बुरी तरह खड़खड़ाते रहते हैं । ...

मैं सोचता हूँ कि पुराने की यह अधिकार-लिप्सा क्यों नहीं समय रहते सावधान हो जाती ? जरा और मृत्यु, ये दोनों ही जगत के अतिपरिचित और अतिप्रामाणिक सत्य हैं । तुलसीदास ने अफ़सोस के साथ इनकी सच्चाई पर मुहर लगाई थी – ‘धरा को प्रमान यही तुलसी जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना !’

- (i) गद्यांश में प्रयुक्त ‘वसंत’ शब्द का समानार्थी शब्द हो सकता है :
 (A) संतदास (B) मधुमास
 (C) उल्लास (D) मनोरम
- (ii) निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए :
 (A) शिरीष के फल, फूल की तरह कोमल होते हैं ।
 (B) शिरीष के फल-फूल दोनों ही कोमल होते हैं ।
 (C) शिरीष के फल, फूल की तरह कोमल नहीं होते ।
 (D) शिरीष के फल नए फूल आते ही अपना स्थान छोड़ देते हैं ।



- (iii) वसंत के सौंदर्य में इनमें से कौन-सा सौंदर्यहीन बना रहता है ?
 (A) पुष्पपत्र से मर्मरित वनस्थली (B) शिरीष के फूल
 (C) शिरीष का पेड़ (D) शिरीष के फल
- (iv) 'शिरीष' को लेकर लेखक का परवर्ती कवियों की धारणा को निराधार मानने का आधार है :
 (A) फलों की मजबूती (B) फूलों की मजबूती
 (C) फूलों की कोमलता (D) इसका फूलों से लदे रहना
- (v) 'जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना' – पंक्ति का भाव है :
 (A) जिसने जन्म लिया उसकी मृत्यु निश्चित है ।
 (B) जो फलेगा वह झड़ेगा, जो जलेगा वह बुझेगा ।
 (C) पुरानी पीढ़ी का स्थान नई पीढ़ी लेगी ।
 (D) शिरीष के फूलों का झड़ना निश्चित है ।

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 10×1=10

- (i) यशोधर बाबू ने मैट्रिक की परीक्षा कहाँ से उत्तीर्ण की थी ?
 (A) रेम्जे स्कूल, नैनीताल (B) रेम्जे स्कूल, अल्मोड़ा
 (C) विद्या मंदिर, अल्मोड़ा (D) विद्या मंदिर, नैनीताल
- (ii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :
 कथन : आनंदा अपने पढ़ने की बात अपने दादा से नहीं कर पाता है ।
 कारण : आनंदा के पिता अत्यधिक क्रोधी स्वभाव के थे तथा आनंदा की पढ़ाई करवाने के पक्ष में नहीं थे ।

विकल्प :

- (A) कथन सही है, कारण गलत है ।
 (B) कथन सही नहीं है, कारण सही है ।
 (C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।
 (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।



- (iii) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :
- (A) कथन I : सिंधु घाटी सभ्यता 'हाई प्रोफाइल' सभ्यता थी ।
(B) कथन II : सिंधु घाटी सभ्यता 'लो प्रोफाइल' सभ्यता थी ।
(C) कथन III : सिंधु घाटी सभ्यता 'हथियारों' की सभ्यता थी ।
(D) कथन IV : सिंधु घाटी सभ्यता 'ताकत' के बल पर थी ।
- (iv) किसके निर्देशन में मुअनजो-दड़ो की खुदाई का व्यापक अभियान प्रारम्भ हुआ ?
- (A) इरफान हबीब (B) जॉन मार्शल
(C) राखालदास बनर्जी (D) दीक्षित काशीनाथ
- (v) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ से उद्धृत पंक्ति – 'देखना अपनी आँख से देखना है । बाकी सब आँख का झपकना है ।' – का आशय है :
- (A) सौंदर्य की वास्तविक अनुभूति तो प्रत्यक्ष दर्शन से ही होती है ।
(B) आँखों देखा ही सत्य होता है, शेष सब व्यर्थ होता है ।
(C) स्वयं देखकर ही आनंद आता है, पढ़-सुनकर नहीं ।
(D) स्वयं का भोग ही सत्य होता है, दूसरों द्वारा कहा नहीं ।
- (vi) 'जूझ' कहानी के नायक आनंदा का स्कूल में वसंत पाटील की तरह ही सुव्यवस्थित ढंग से काम करने और पढ़ने का कारण इनमें से **नहीं** है :
- (A) उससे ईर्ष्या करना
(B) उससे प्रतिस्पर्द्धा करना
(C) थोड़े ही समय में परीक्षा की तैयारी करना
(D) पिता द्वारा दी गई चुनौती को पूरा करना
- (vii) सिल्वर वैडिंग की पार्टी वाले दिन यशोधर बाबू का 'संध्या' में अधिक समय लगाने का कारण हो सकता है :
- (A) उन्हें पार्टी आयोजन की पूर्व सूचना न दिया जाना
(B) पार्टी में मेहमानों के बीच स्वयं को उपेक्षित पाना
(C) उनके आत्मीय जनों को पार्टी में न बुलाया जाना
(D) पार्टी में आए मेहमानों के बीच स्वयं को असहज महसूस करना



- (viii) 'जूझ' कहानी के आधार पर बताइए कि आनंदा को गणित कैसे समझ आने लगा था ?
- (A) मन की एकाग्रता से
(B) वसंत पाटील की सहायता से
(C) माँ की सहायता से
(D) शिक्षक की सहायता से
- (ix) 'जूझ' पाठ की लेखन शैली है :
- (A) विवरणात्मक
(B) आत्मकथात्मक
(C) संवाद
(D) वर्णनात्मक
- (x) 'जूझ' पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और बाद में अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया ?
- (A) अकेलापन डरावना है
(B) अकेलापन अनावश्यक है
(C) अकेलापन उपयोगी है
(D) अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

40 अंक

(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

6

- (क) मेरे विद्यालय का खेल का मैदान
(ख) हर घर तिरंगा
(ग) मेरी पहली हवाई/रेल-यात्रा



8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : $2 \times 2 = 4$

- (i) (क) कहानी में वर्णित परिवेश और परिस्थितियों से संबंधित टिप्पणियों को नाटक में किस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है ?

अथवा

- (ख) अपनी पूरक पाठ्य-पुस्तक वितान के पाठ 'जूझ' के आधार पर दत्ता जी राव, आनंदा और आनंदा के पिता के बीच हुए वार्तालाप को एक दृश्य के रूप में लिखिए ।

- (ii) (क) 'नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि लेखन की रचनात्मकता निबंध के पारंपरिक विषयों में क्यों घटित नहीं हो पाती ?

अथवा

- (ख) संपादकीय लेखन का समाचार-पत्र-पत्रिकाओं में क्या महत्त्व है और संपादकीय में लेखक का नाम क्यों नहीं होता ?

9. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : $2 \times 3 = 6$

- (क) टेलीविज़न माध्यम की किन्हीं तीन खूबियों अथवा तीन कमियों का उल्लेख कीजिए ।
 (ख) पत्रकारिता की भाषा में 'बीट' किसे कहते हैं ? बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अंतर है ? उदाहरण सहित लिखिए ।
 (ग) आलेख किसे कहते हैं ? अच्छे आलेख की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : $2 \times 2 = 4$

- (क) 'पतंग' कविता में "पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं" कथन का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि 'वे' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ।
 (ख) 'बादल राग' कविता से ली गई पंक्ति 'अशनि-पात से शापित उन्नत शत-शत वीर' का आशय स्पष्ट करते हुए लिखिए कि इस पंक्ति में किसकी ओर संकेत किया गया है ।
 (ग) 'छोटा मेरा खेत' कविता में 'रस का अक्षय पात्र' कथन के आलोक में रचनाधर्मिता की किन विशेषताओं की ओर संकेत किया है ?



11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : 2×3=6

- (क) 'शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ' – 'आत्मपरिचय' कविता के आधार पर इस कथन का विरोधाभास स्पष्ट कीजिए ।
- (ख) 'कविता के बहाने' के आधार पर बताइए कि 'सब घर एक कर देने के माने' से कवि का क्या तात्पर्य है ।
- (ग) 'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप' के आधार पर लिखिए कि युद्ध भूमि में राम के खेमे का माहौल शोकग्रस्त क्यों था । हनुमान द्वारा संजीवनी बूटी लाने पर वहाँ का माहौल कैसा और क्यों हो गया ?

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : 2×3=6

- (क) बाज़ार केवल क्रेता की क्रय शक्ति को देखता है, अन्य कारकों को नहीं । क्या बाज़ार की यह विशेषता 'सामाजिक समरसता' को बढ़ावा देती है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए ।
- (ख) अपने दोनों युवा पुत्रों की मृत्यु के बाद भी पहलवान द्वारा ढोल बजाए जाने का क्या कारण था ? उस आवाज को सुनकर गाँव वालों पर क्या प्रभाव पड़ता था ?
- (ग) 'श्रम-विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए कि मनुष्य की क्षमता किन बातों पर निर्भर करती है ?

13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : 2×2=4

- (क) भक्तिन का दुर्भाग्य क्या था ? लेखिका ने उसे और उसके दुर्भाग्य को हठी क्यों कहा है ?
- (ख) इंदर सेना के जयकारे की ग्रामवासियों पर क्या प्रतिक्रिया होती थी ? 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।
- (ग) "शकुंतला कालिदास के हृदय से निकली थी ।" "शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।



(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

14. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :

2×2=4

- (क) 'सिल्वर वैडिंग' पाठ में लेखक क्या संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं ?
- (ख) 'जूझ' के मुख्य पात्र आनंदा के व्यक्तित्व की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
- (ग) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने 'प्राचीन भारत का लैंडस्केप' किसे कहा है ? इसका संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, फरवरी-2024

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न पत्र कोड : 2/2/1, 2/2/2, 2/2/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।**
4. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिंदु शामिल हैं, ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं। परीक्षार्थी अपनी अभिव्यक्ति कर सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक दिए जाएँ।
5. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
6. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (✓) लगाएंगे और गलत उत्तर पर गलत का (×) चिह्न लगाएंगे। परीक्षक द्वारा मूल्यांकन करते समय सही का चिह्न (✓) न लगने पर यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
7. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायें ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायें ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
8. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायें ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
9. यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर दे दिया है, तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उसे ही स्वीकार करें। दूसरे उत्तर को “अतिरिक्त प्रश्न” टिप्पणी के साथ काट दिया जाना चाहिए।
10. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उस पर एक से अधिक बार अंक न काटे जाएँ।

11. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात् 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन 20 उत्तर-पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं।
13. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं ।
 - उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
 - उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
 - उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
 - उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
 - आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
 - योग का अंकों और शब्दों में मेल न होना।
 - उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
 - कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
 - उत्तरों पर सही का चिह्न (✓) लगाना, किंतु अंक न देना (सुनिश्चित करें कि (✓) या (×) का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो।)
 - उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो, किंतु अंक न दिए गए हों।
14. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
15. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
16. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
17. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में सही लिखा गया है।
18. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुनः मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है । सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार पुनः याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया जाए।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा फरवरी -2024
अंक योजना : हिन्दी (आधार) प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या 2/2/1, 2/2/2, 2/2/3
कक्षा : XII

अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

खंड अ					40 अंक
(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर)					
प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
1	1	2	1	अपठित बोध - गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	10x1=10
	(i)	(i)	(i)	(B) हर प्रस्तुति में नवीनता	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) गुणोत्कर्ष	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) केवल कथन III सही है ।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(A) लोकगीतों और प्रकृति में व्याप्त स्वरों के समन्वय द्वारा	1
	(v)	(v)	(v)	(D) संगीत में जिस बिंदु पर लय और ताल परस्पर मिलते हों	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(B) आंचलिक गीतों को शास्त्रीय पद्धति में ढालकर	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(A) प्रकृति की विभिन्नता, सामयिकता और शाश्वतता के मिलने से	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(A) लय	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(B) लोकगीत और प्रकृति शास्त्रीय संगीत के आधार हैं ।	1
	(x)	(x)	(x)	(B) चिरस्थिरता एवं समसामयिकता का समन्वय	1

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
2	2	1	2	अपठित बोध - पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(C) परस्पर सौहार्द, अटल संकल्प, सहृदयता एवं उत्तरोत्तर उन्नति का	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) विविध धर्म, जाति एवं भाषा के एकत्व का	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(A) निज दुर्बलताओं को पहचान कर सबलताओं में बदलना	1
3	(v)	(v)	(v)	(B) केवल कथन IV सही है ।	1
	3	6	3	अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	5X1=5
	(i)	(i)	(i)	(B) आधुनिक युग में	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) रेडियो	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) फ्रीलांसर (स्वतंत्र-पत्रकार)	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(D) काव्यात्मक फ्रीचर	1
	(v)	(v)	(v)	(B) विशेष लेखन	1

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर					
4	4	4	4	काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	5X1=5
	(i)	(i)	(i)	(C) दर्शक और विकलांग व्यक्ति के लिए	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) मीडिया स्वार्थी एवं संवेदनहीन है, उसका सामाजिक सरोकार मात्र दिखावा है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) परदे के पीछे की वास्तविकता	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(B) संवेदनहीनता को	1
	(v)	(v)	(v)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।	1
5	5	5	5	गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	5X1=5
	(i)	(i)	(i)	(B) मधुमास	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(C) शिरीष के फल, फूल की तरह कोमल नहीं होते ।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) शिरीष के फल	1

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
6	(iv)	(iv)	(iv)	(A) फलों की मजबूती	1
	(v)	(v)	(v)	(A) जिसने जन्म लिया उसकी मृत्यु निश्चित है ।	1
	6	3	6	पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	10X1=10
	(i)	(i)	(i)	(B) रेम्जे स्कूल, अल्मोड़ा	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किन्तु कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) कथन II : सिंधु घाटी सभ्यता 'लो प्रोफाइल' सभ्यता थी ।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(B) जॉन मार्शल	1
	(v)	(v)	(v)	(A) सौंदर्य की वास्तविक अनुभूति तो प्रत्यक्ष दर्शन से ही होती है ।	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(A) उससे ईर्ष्या करना	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(D) पार्टी में आए मेहमानों के बीच स्वयं को असहज महसूस करना	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(A) मन की एकाग्रता से	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(B) आत्मकथात्मक	1

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
खंड ब 40 अंक (वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर) जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर					
7	7	7	7	किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख अपेक्षित - आरंभ - 1 - विषयवस्तु - 3 - प्रस्तुति - 1 - भाषा - 1	6
8	8	8	8	- कथावस्तु को समय और स्थान के आधार पर विभाजित करना - पात्रों के मनोभावों एवं मानसिक द्वंदों की नाटकीय प्रस्तुति - नए लिखे संवादों का कहानी के मूल संवादों से मेल खाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2x2=4
	अथवा				
	(i)(ख)	-	-	रेडियो नाटक- रेडियो से प्रसारित किया जाने वाला नाटक महत्त्व - - मनोरंजन का सस्ता, सुलभ, सशक्त माध्यम होना - नेत्रहीनों के लिए मनोरंजन का प्रमुख स्तंभ होना - साक्षर-निरक्षर सभी के लिए उपयोगी होना - कभी-भी, कहीं-भी सुनना संभव होना (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	(ii)(क)	-	-	- विषय से जुड़े सार्थक सुसंगत विचारों को अलग लिखकर - विषय पर विभिन्न कोणों से विचार करके - मस्तिष्क में रूपरेखा बनाकर - विचारों को क्रमबद्ध लिखकर (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
अथवा					
(ii)(ख)	-	-	-	- कथानक को आगे बढ़ाना - पात्रों और परिवेश को संवादों के माध्यम से स्थापित करना - अगले दृश्य के लिए भूमिका तैयार करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
-	(i)(क)	-	-	- कहानी के पात्रों की दृश्यात्मकता को नाटक के पात्रों के चरित्र में उतारना - पात्र की भाव-भंगिमाओं और उनके तौर-तरीकों से प्रभाव उत्पन्न करना - संवादों को स्थानीय रंग में रंग कर चरित्र-चित्रण को परिमार्जित करना - ध्वनि और प्रकाश का उचित उपयोग करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
-	अथवा (i)(ख)	-	-	रेडियो नाटक - - पूर्णतया श्रव्य माध्यम - नाटक लेखन जटिल - संपूर्ण अभिव्यक्ति ध्वनि एवं संवादों द्वारा संप्रेषित - दृश्य न होना सिनेमा / रंगमंच - - दृश्य एवं श्रव्य माध्यम - अपेक्षाकृत सरस - प्रकाश, मंचसज्जा, वेशभूषा, अभिनेताओं की भाव-भंगिमाओं द्वारा भी अभिव्यक्ति - दृश्यों का प्रयोग (कोई दो-दो बिंदु अपेक्षित)	2
-	(ii)(क)	-	-	कुटेव- बुरी लत असली अभ्यास या रियाज का अवसर खोना।	1+1=2
-	अथवा (ii)(ख)	-	-	तात्पर्य- एंकर द्वारा रिपोर्टर से फोन पर बात करके दर्शकों तक पहुँचाई जाने वाली सूचनाएँ एवं समाचार महत्त्व - - ज्यादा से ज्यादा जानकारीयाँ मिलना। - खबरों की विश्वसनीयता।	1+1=2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	-	-	(i)(क) अथवा	- न्यूज़ रूम / स्टूडियो से ही घटना से संबंधित जानकारी अति शीघ्र दर्शकों तक पहुँचना। (कोई एक बिंदु अपेक्षित) - मंच-सज्जा या पार्श्व-संगीत के माध्यम से - पात्रों के संबद्ध टिप्पणियों को संवादों के माध्यम से	2
	-	-	(i)(ख)	छात्रों की कल्पना-शक्ति व रचनात्मक कौशल के आधार पर दत्ताजी राव, आनंदा और आनंदा के पिता के मध्य संवाद के दृश्य का लेखन स्वीकार्य	2
	-	-	(ii)(क) अथवा	- पारंपरिक विषयों पर निबंध लेखन की तैयार शुदा सामग्री का प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहना - कुछ नया सोचने-लिखने के प्रयास के स्थान पर तैयार सामग्री पर निर्भर हो जाना - लिखित अभिव्यक्ति-क्षमता का विकसित न हो पाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(ii)(ख)	संपादकीय लेखन- - समाचार-पत्र की आवाज़ - किसी घटना, समस्या या मुद्दे के प्रति समाचार-पत्र, पत्रिका की राय प्रकट करना। (कोई एक बिंदु अपेक्षित) लेखक का नाम न होने का कारण - किसी व्यक्ति विशेष का विचार न होना	1+1=2
9	9	9	9	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2x3=6
	(क)	(क)	(क)	खूबियां - - दृश्य एवं श्रव्य माध्यम - साक्षर-निरक्षर सभी के लिए उपयोगी - ब्रेकिंग न्यूज़ की व्यवस्था - घटना व कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की सुविधा - मनोरंजन व शिक्षा का प्रमुख साधन (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) खामियां - - मानक भाषा का अभाव - निष्पक्षता संदिग्ध	1½+1½=3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
10	(ख)	(ख)	(ख)	- घटनाओं को बढ़ा-चढ़ा कर दिखाना - विज्ञापनों की अधिकता - नेत्रहीनों के लिए अनुपयोगी (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) बीट - ज्ञान एवं रुचि के आधार पर संवाददाताओं के मध्य कार्य का विभाजन अंतर - बीट रिपोर्टिंग में रिपोर्टर द्वारा क्षेत्र विशेष की जानकारी तथा रुचि के आधार पर केवल सामान्य खबर लिखना विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्षेत्र या विषय से जुड़ी घटनाओं मुद्दों या समस्याओं का बारीकी से विश्लेषण कर पाठकों की जिज्ञासा को शांत करना उदाहरण - बीट रिपोर्टर द्वारा शेयर बाजार से जुड़ी खबर केवल शेयर बाजार में भारी गिरावट लिखकर प्रस्तुत करना। विशेषीकृत द्वारा उसके कारणों का विशेष लेखन करके रिपोर्ट देना (छात्रों के अन्य तर्कपूर्ण मौलिक उत्तर भी स्वीकार्य)	1+1+1=3
	(ग)	(ग)	(ग)	आलेख - समसामयिक घटनाओं पर लिखे गए लेख विशेषताएं - - संपादकीय पृष्ठ पर स्थान पाना - सटीक सूचनाओं, नवीनता एवं ताजगी का होना - विचारों में स्पष्टता, बोधगम्यता होना - भाषा शैली में सरलता एवं रोचकता होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+2=3
	10	11	11	पाठ्य पुस्तक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2x3=6
	(क)	(क)	(क)	- पंक्ति में विरोधाभास - शीतलता और आग में मेल नहीं - कवि की वाणी-शीतल, मधुर, कोमल किंतु मन में विद्रोह, आक्रोश, असंतोष के भाव की प्रबलता - वर्तमान समाज व्यवस्था से असंतुष्टि - वाणी की कोमलता में भी हृदय का आक्रोश - जग के प्रति विद्रोह की भावना होने पर भी वाणी की शीतलता (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
11	(ख)	(ख)	(ख)	- सीमा का बंधन समाप्त, सभी को एक समान समझना - बच्चों के संदर्भ में - अपने पराए का भाव नहीं; धर्म, जाति, संप्रदाय, छोटा - बड़ा, अमीर - गरीब का भेद नहीं; केवल स्नेह, वात्सल्य, अपनेपन की आकांक्षा - कविता के संदर्भ में - शब्दों का खेल; कोई बंधन लागू नहीं; किसी एक वाद, सिद्धांत या वर्ग-विशेष की अभिव्यक्ति नहीं - उद्देश्य - समाज में एकता स्थापित करना	3
	(ग)	(ग)	(ग)	- शोकग्रस्त होने का कारण - युद्धभूमि में शक्ति-बाण लगने से लक्ष्मण का मूर्छित होना एवं मूर्छित अनुज को देख राम जी का मानवी प्रलाप एवं व्याकुलता - संजीवनी बूटी के साथ हनुमान के आगमन से वातावरण सजीव, करुण रस में वीर रस का संचार - लक्ष्मण के स्वस्थ होने की आशा	1+1+1=3
	11	10	10	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2x2=4
	(क)	(क)	(क)	‘वे’ शब्द - पतंग उड़ाने वाले बच्चों के लिए प्रयुक्त - पतंग - बच्चों की कोमल भावनाओं की परिचायिका - पतंग के साथ बच्चों की कल्पना की उड़ान - पतंग का आकाश में इठलाते हुए चक्कर काटना बालमन का भी हिलोर लेना - आसमान की ऊँचाइयों को छूने की चाह - मन में मस्ती, उल्लास, उमंग का संचार (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	आशय - बिजली गिरने से ऊँचे पर्वत घायल, उसी प्रकार क्रांति से पूंजीपति / शोषक वर्ग की प्रभुसत्ता का अंत संकेत - पूंजीपति, शोषण या धनी वर्ग की ओर	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	- रचनाक्रम के अक्षयपात्र का सदैव भरा रहना - बाँटने पर भी खत्म ना होना - रचना का कालजयी अर्थात् सदैव प्रासंगिक रहना - चिरकाल तक आनंद प्रदान करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
12	12	12	12	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2x3=6
	(क)	-	-	- बाजारूपन को बढ़ाने वाले अर्थात कपट बढ़ाने वाले - परस्पर सद्भाव घटाने वाले - आवश्यकताओं के आदान - प्रदान के स्थान पर शोषण करने वाले - कपट के सफल होने तथा निष्कपट के शिकार होने वाले - ग्राहक व बेचक का एक - दूसरे को ठगने की घात में रहने वाले - एक की हानि में दूसरे का लाभ देखने वाले (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	(ख)	-	-	- पुरानी व्यवस्था में लोक कलाकारों और पहलवानों को राज्यश्रय व संरक्षण प्राप्त। - शाही खर्चे पर जीवन - यापन, नई व्यवस्था में इन्हें अनावश्यक मानकर नकारना - दंगल का स्थान घोड़े की रेस को देना - लोककलाकारों का आर्थिक कठिनाइयों से जूझना तथा निराश्रित होना - विदेशी खेलों और कलाओं को प्रोत्साहित करना। (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	(ग)	-	-	- दासता की व्यापक परिभाषा - किसी व्यक्ति को अपना व्यवसाय चयन की स्वतंत्रता ना देना - व्यक्ति को पराधीनता में जकड़कर रखना - कुछ व्यक्तियों का दूसरों द्वारा निर्धारित व्यवहार व कर्तव्यों के पालन हेतु विवश होना - कुछ व्यक्तियों की अपनी इच्छा के विरुद्ध पेशे को अपनाने की विवशता (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	-	(क)	-	- हाजिरजवाबी से प्रत्येक बात का सटीक उत्तर देना - घर में इधर - उधर पड़े पैसों को उठाकर रख लेना, पूछने पर सँभाल कर रखने की बात कहना - लेखिका द्वारा सिर घुटाने से रोकने पर शास्त्र - कथन का हवाला देना - उसके बने खाने पर कटाक्ष करने पर अपनी पाककुशलता का सोदाहरण बखान करना - पढ़ाई - लिखाई न करने का कारण घर व लेखिका की	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				देखभाल बताना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	
-	(ख)	-	• बच्चों द्वारा भगवान इंद्र से वर्षा करने की गुहार लगाना • बच्चों का स्वयं को इंद्र की सेना के सैनिक मानना • गाँव वालों का अंधविश्वासी व कर्मकांडी होना • इंद्र का वर्षा के बादलों का स्वामी होना • बच्चों को ईश्वरीय प्रतिरूप / सेना मान गाँव वालों का उनके माध्यम से वर्षा हेतु प्रार्थना करना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3	
-	(ग)	-	• हृदय की कोमलता को बचाने के लिए बाहरी तौर पर कठोर बनकर ही विपरीत दशाओं का सामना कर पाना संभव • शिरीष का भीषण गर्मी की लू को सहन करना • संत कबीरदास व कालिदास का बाहरी तौर पर कठोर बनकर ही समाज को उच्च कोटि का साहित्य देना	3	
-	-	(क)	हाँ, बाजार की यह विशेषता सामाजिक समरसता को बढ़ावा देती है • व्यक्ति के लिंग, जाति, धर्म या संप्रदाय आदि के आधार पर कोई भेदभाव नहीं • व्यक्ति की क्रयशक्ति ही महत्वपूर्ण व उपयोगी • समाज में भेदभाव व पक्षपात होने पर भी बाजार में सामाजिक समरसता की रचना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+2=3	
-	-	(ख)	कारण - • गांव में व्याप्त निराशा के माहौल एवं मृत्यु की विभीषिका के कारण व्याप्त सन्नाटे को चुनौती देना। • लोगों को अंत तक जोश व उत्साह के साथ मृत्यु के भय से लड़ने हेतु प्रेरित करना। प्रभाव - • लोगों में महामारी से लड़ने का उत्साह व हिम्मत दोगुनी बढ़ जाना • जीवन के प्रति सकारात्मकता, जिजीविषा का समावेश	1½+1½=3	
-	-	(ग)	• शारीरिक वंश परंपरा • सामाजिक उत्तराधिकार	3	

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
13	13	13	13	मनुष्य के अपने प्रयत्न (तीनों बिंदुओं का विस्तार अपेक्षित)	
	(क)	-	-	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित बड़े लाट-अंग्रेजी शासन के क्रूर अधिकारी कारण - - अंग्रेजी कानून के तहत महादेवी जी के जेल प्रवास के समय भक्तिन को उनसे विलग करना - नौकर को अकेले मुक्त छोड़ देने में पहाड़ के बराबर अन्याय मानना - लेखिका के साथ जेल न जा सकने की संभावना से अपमानित महसूस करना (कोई एक कारण अपेक्षित)	2x2=4 1+1=2
	(ख)	-	-	- आर्यसमाजी संस्कारों के कारण अंधविश्वासों का विरोध करना - चारों ओर पानी की इतनी कमी होने पर भी कठिनाई से इकट्ठा करके रखा गया पानी बाल्टी भर-भर कर इंदर सेना पर फेंकना - पानी की निर्मम बर्बादी मानना - इसे पाखंड और अंधविश्वास मानना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ग)	-	-	जीवन का सत्य - जरा (वृद्धावस्था) और मृत्यु कारण - - अतिपरिचित और अतिप्रामाणिक सत्य - तुलसीदास ने भी कहा - 'जो फरा, सो झरा जो बरा, सो बुताना' - वृद्धावस्था में मृत्यु से किसी का भी बचना असंभव - प्रत्येक जीव का काल का ग्रास बनना अनिवार्य (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	-	(क)	-	- व्यक्ति का आँखों के द्वारा ही बाज़ार की वस्तुओं के प्रति आकृष्ट होना - बाज़ार की सुसज्जित वस्तुओं को देखकर ही खरीदने की तीव्र इच्छा उत्पन्न होना - आँखों के वशीभूत होकर अनावश्यक वस्तुओं की खरीददारी	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
-	(ख)	-	- राजासाहब का चाँदसिंह पहलवान की शक्ति और कुश्ती-कौशल से पूर्व परिचित होना - चाँदसिंह को 'शेर के बच्चे' की उपाधि प्राप्त होना - लुट्टन सिंह का अनुभवहीन व अपेक्षाकृत कमजोर होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2	
-	(ग)	-	- समाज का सभी सदस्यों को आरंभ से ही समान अवसर प्रदान करना - सभी को समान व्यवहार उपलब्ध कराना - सभी को समान समझना और कोई भेदभाव न करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2	
-	-	(क)	दुर्भाग्य - किशोरी से युवती होते ही बड़ी लड़की का भी विधवा हो जाना कारण - - पंचायत द्वारा जबरदस्ती तीतर लड़ाने वाले अयोग्य लड़के को पुत्री का पति बनाना - लगान समय पर न पहुँचने पर जमींदार द्वारा भक्तिन को दिनभर कड़ी धूप में खड़ा रखना (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2	
-	-	(ख)	- जयकारा सुनते ही ग्रामवासियों का सावधान हो जाना - स्त्रियों और लड़कियों का छज्जे, बारजे से झाँकने लगना - घरों में सहेजकर रखे गए पानी में से बाल्टी या घड़े भर-भर कर बच्चों को सर से पैर तक तर कर देना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2	
-	-	(ग)	- कालिदास की सूक्ष्म सौंदर्य दृष्टि - शकुंतला का अनुपम सौंदर्य कालिदास की कल्पना का चमत्कार - उसके सौंदर्य का कालिदास के सुंदर हृदय से डुबकी लगाकर निकलना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2	

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
14	14	14	14	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2x2=4
	(क)	-	-	- ऑफिस से चलते-चलते जूनियरों से कोई मनोरंजन बात कर दिनभर के शुष्क व्यवहार का निराकरण करना - रोज मंदिर जाना, संध्या पूजन करना, गीता-प्रेस गोरखपुर की किताबें पढ़ना - अपने अधीनस्थों से दूरी बनाए रखना - कार्यालय में तय समय से अधिक बैठना - घर में होली गवाना - जन्यो-पुन्युं के दिन सब कुमाऊनियों को जनेऊ बदलने के लिए अपने घर आमंत्रित करना - रामलीला के अभ्यास हेतु क्वार्टर का एक कमरा दे देना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ख)	-	-	- लेखक के पिता को बहाने से अपने पास बुलाना - उन्हें खरी-खोटी सुनाकर सीधे रास्ते पर लाना - साम-दाम-दंड-भेद द्वारा अपनी बात मनवाना - पिता के प्रत्येक तर्क को काटना - पिता से वचन लेना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ग)	-	-	जैसलमेर के गाँव कुलधर की याद कारण - - दोनों की वास्तुकला में समानता - दूर तक पसरा सन्नाटा और सूनापन (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	-	(क)	-	- किशन दा तथा उनके आदर्शों की पग-पग पर याद आना - किशन दा का उनके प्रथम आश्रयदाता होना - किशन दा द्वारा सामाजिक व्यवहार सिखाना तथा जीवन के हर मोड़ पर सलाह देना - स्वयं को किशन दा की प्रतिच्छाया मानना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	(ख)	-	- अध्यापकों का 'आनंदा' कहकर बुलाना और अपनेपन का व्यवहार - वसंत पाटिल की मित्रता एवं सहयोग - वसंत पाटिल की तरह पढ़ाई का काम करना	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	-	(ग)	-	- मन की एकाग्रता से गणित के सवाल झटपट समझना - वसंत पाटिल के साथ दूसरे लड़कों के सवाल जाँचना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(क)	- बौद्ध स्तूप - विशाल स्नानागार व कुंड - अजायबघर - शहर की सड़कों व गलियों का विस्तार - उच्चवर्ग और नीचा नगर की बस्ती - महाकुंभ - विशाल कोठार (किन्हीं दो बिंदुओं का परिचय अपेक्षित)	2
	-	-	(ख)	- युवापीढ़ी द्वारा अपने पूर्वजों, पारिवारिकता व परंपराओं का सम्मान करना - दोनों पीढ़ियों द्वारा वैचारिक टकराव को टालना - पुरानी पीढ़ी का नवीन परंपराओं व परिवर्तनों से सामंजस्य बनाए रखना - नई पीढ़ी को नई चुनौतियों के अनुसार ढलना सीखना - घर के बुजुर्गों का आदर व उनकी भावनाओं का सम्मान करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(ग)	लैंडस्केप सबसे ऊँचे चबूतरे पर बना बड़ा बौद्ध स्तूप परिचय - पच्चीस फीट ऊँचे चबूतरे पर छब्बीस सदी पहले बनी ईंटों से निर्मित चबूतरे पर भिक्षुओं के कमरे होना खुदाई में ईसा पूर्व के निशान मिलना	1+1=2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				वास्तुकला का अनोखा उदाहरण (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	